कचरे से निकली चिंगारी से हुआ गैरेज स्वाहा

रविवार सुबह आष्टा स्थित बायपास पर एक मैकेनिक के गैरेज में लगी आग से लाखों का नुकसान

- आग की लपटों में गैरेज में खड़ी गाड़ियां व अन्य सामान खाक
- एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका

नवभारत न्यूज

सीहोर/आष्टा 17 मई. रविवार की सुबह भोपाल-इंदौर बायपास स्थित एक गैरेज में आग लग जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया. गैरेज के पीछे सुलग रहे कचरे से उड़ी चिंगारी की चपेट में आए गैरेज में खड़ी कई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं तो अन्य सामान भी पूरी तरह स्वाहा हो गया. भीषण आगजनी के दौरान नपा की उदासीनता ने भी लोगों को आक्रोशित कर दिया था. जब गैरज आग के शोलों से घिरा हुआ था तब वहां खड़ी दमकलों में पानी ही नहीं था.

तहसील मुख्यालय आष्टा के बायपास मार्ग स्थित एक मैकेनिक के गैरेज में रविवार की सुबह 7.30 बजे अचानक आग लग गई. जब तक लोगों की नजर आग पर जाती तब तक पूरा गैरेज काले घने धुएं से घिर उठा था और उसमें से आग की लपटें नजर आने लगी थीं. पल-प्रतिपल तेज होगी आग की लपटों को देखकर वहां अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया था और लोगों की भीड़ जमा हो गई थी. इस दौरान गैरेज में खड़ी गाड़ियों के टायर धमाके की आवाज के साथ फूटते रहे. आग का विकराल रूप देख लोगों द्वारा नपा के दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन विडम्बना कि आधा घंटे तक दमकल मौके पर नहीं पहुंच सकीं.

पता चला कि एक दमकल पंचर खड़ी है तो दूसरी की चाबी नहीं मिल रही है. जैसे तैसे दमकल आई तो पानी खत्म हो गया. मजबूर होकर लोगों ने निजी टैंकर बुलाकर आग पर काबू पाने के जतन किए. इसके बाद कोठरी से आई दमकल ने भी आग बुझाने में सहयोग किया. सुबह 7.30 से लेकर 8.30 बजे तक आग का तांडव चलता रहा.

मौके पर नहीं पहुंचे जिम्मेदार अधिकारी

भीषण आगजनी में गैरेज मालिक तबाह हो गया, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष या प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उसका दर्द सुनने मौके पर नहीं पहुंचा. ऐसे में जनता का गुस्सा नपा अध्यक्ष और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सातवें आसमान पर है. दुकान मालिकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह हादसा नहीं, बल्कि नगर पालिका द्वारा बरती गई घोर लापरवाही है. अगर फायर ब्रिगेड समय पर पानी से भरी और मुस्तैद हालत में आती तो ग्राहकों की गाडियों को खाक होने से बचाया जा सकता था.

पीड़ित पक्ष का युवक खुद दमकल को स्टार्ट करके लाया

आसमान छूती आग की लपटों को देखकर जब लोगों द्वारा नपा को सूचना दी तो नपा की खामियां उजागर हो गईं. भीषण आग ने नपा के आपदा प्रबंधन की धज्जियां उड़ाकर रख दीं. नपा की लापरवाही के कारण ग्राहकों की 15 से 20 गाड़ियां कबाड़ में तब्दील हो गईं. पीड़ित गैरेज संचालक ने नवभारत को बताया कि नपा की दमकलों का यह हाल है कि एक फायर ब्रिगेड पहले से पंचर लावारिस खड़ी थी, जबकि दूसरी गाड़ी की चाबी ही नपा कर्मियों को नहीं मिल रही थी. अंत में पीड़ित पक्ष के एक युवक को खुद गाड़ी को स्टार्ट करवाकर मौके पर लाया.

पांच मिनट में ही खत्म हुआ फायर ब्रिगेड का पानी

नपा की नाकामी का तमाशा यहीं खत्म नहीं हुआ. पीडित गैरेज संचालक के मुताबिक जो दमकल जैसे-तैसे मौके पर पहुंची, उसमें पानी का प्रेशर और मात्रा इतनी कम थी कि महज 5 मिनट में ही टैंक खाली हो गया. इसके बाद वह दमकल पानी रीफिल करने के नाम पर जो निकली तो अगले आधे घंटे तक वापस ही नहीं लौटी. इस बीच गैरेज में खड़ी गाड़ियां एक-एक कर आग की भेंट चढ़ती रहीं और नपा का अमला मूकदर्शक बनकर देखता रहा. स्थानीय लोगों और पीडितों ने खुद अपनी जेब से पैसे खर्च कर टैंकर बुलवा और कोठरी से आई दूसरी दमकल की मदद से जैसे-तैसे आग पर काबू पाया जा सका.

मुख्यमंत्री यादव के आने से पहले सड़क के रातोंरात भाग्य खुले

कई महीनों से पैंचवर्क का इंतजार कर रही सड़क को सीएम के आने से पहले दुरुस्त करने में लगे

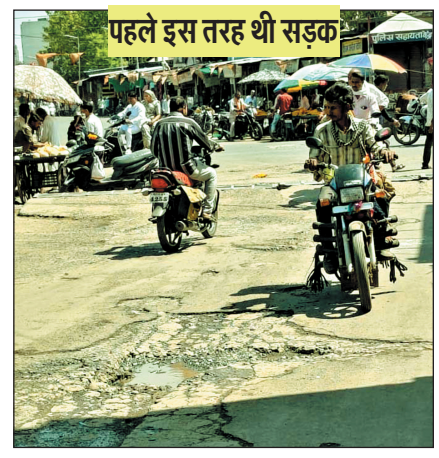

नवभारत न्यूज

जीरापुर 17 मई, सं. आगामी 21 मई को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नगर आगमन को लेकर नगर परिषद द्वारा शहर में युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. लंबे समय से बदहाल पड़े मुख्य मार्गों पर अब पेचवर्क कार्य कराया जा रहा है तथा जगह-जगह लीकेज पाइप लाइनों की मरम्मत भी की जा रही है.

नगर के इंदर चौराहा से उत्कृष्ट विद्यालय एवं हायर सेकेंडरी स्कूल मार्ग तक लंबे समय से सड़क पर गड्ढे, पाइप लाइन लीकेज और बहते पानी की समस्या बनी हुई थी. कई स्थानों पर नलों में टोंटी नहीं होने से पानी लगातार बहता रहता था, जिससे सड़कें खराब हो चुकी थी. लीकेज पाइप लाइन और बारिश और गंदे पानी से भरे गड्ढों के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था. ऐसे में राहगीरों के कपड़े भी इस पानी की वजह से गंदे हो जाते थे एवं आपस में कहा सुनी की नौबत्त भी आ जाती थी. स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार शिकायतें एवं समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित होने के बावजूद नगर परिषद द्वारा लंबे समय तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. अब मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए नगर परिषद की सक्रियता बढ़ी है. इंदर चौराहा से आवास रोड एवं स्टेडियम मार्ग तक गड्ढों का पेचवर्क कराया जा रहा है तथा लीकेज पाइप लाइनों को सुधारा जा रहा है. नागरिकों का कहना है कि मुख्यमंत्री का आगमन नगर के लिए शुभ संकेत साबित हो रहा है, क्योंकि वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की शुरुआत अब दिखाई देने लगी है. यह राहगीरों का सौभाग्य हैं.

सीएम के दौरे को लेकर अटकलें

इधर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 21 मई को प्रस्तावित दौरे को लेकर संशय बना हुआ है. प्रशासन तैयारियों में लगा लेकिन दूसरी ओर सीएम के दौरे रद्द होने की सूचनाएं भी देर शाम सामने आई. हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है.

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर नवीन हाट बाजार तालाब परिसर में उतरेगा, जहां से वे खिलचीपुर नाका, इंदर चौराहा एवं आवास रोड होते हुए आवास कॉलोनी स्थित स्टेडियम पहुंचेंगे. यहां विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. गौरतलब है कि पूर्व में भी इंदर चौराहा क्षेत्र में केवल औपचारिकता के तौर पर पेचवर्क किया जाता रहा, जो कुछ ही समय में उखड़ जाता था.

स्कार्पियो पर लगा था हूटर पुलिस ने काटा चालान

जावर, 17 मई. प्रतिबंध होने के बाद भी वाहन पर हूटर लगाना और कांच पर काली फिल्म लगवाना कजलास के युवक पर भारी पड़ गया. पुलिस ने उस पर 3500 रुपए की चालानी कार्रवाई कर दी है.

एसपी सोनाक्षी सक्सेना के निर्देशन मेंयातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में जावर पुलिस ने हूटर एवं काली फिल्म लगाकर वाहन चलाने वाले स्कॉर्पियो चालक के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 3500 रुपए का समन शुल्क वसूला. थाना प्रभारी हेमंत पाण्डेय के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई. पुलिस ने जावर जोड़ के पास काले रंग की स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी 09 सीटी 3126 को जांच के दौरान रोका गया. वाहन में हूटर एवं ब्लैक फिल्म लगी मिलने पर वाहन चालक राहुल पिता सूरज सिंह सेंधव निवासी कजलास को वाहन सहित थाना लाया गया. पुलिस ने चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत वाहन में हूटर-सायरन का उपयोग करने पारदर्शी सुरक्षा शीशा नहीं होने पर कार्रवाई की. विभिन्न धाराओं में कुल 3500 रुपए का चालानी समन शुल्क वसूला गया.

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण में खराब भोजन देने के लगे आरोप

70 लड़के एवं 30 लड़कियां ले रहीं प्रशिक्षण

बीते दिनों शौर्य संकल्प योजना का हुआ था शुभारंभ

नवभारत न्यूज

टीकमगढ, 17 मई.सैन्य बल और अन्य समकक्ष सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है. ढोंगा मैदान के पास स्थित हॉस्टल में करीब 70 लड़कों और 30 लड़कियों को ठहराया गया है. दो दिन पहले ही शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना का शुभारंभ हुआ था.

जानकारी के अनुसार रविवार को लड़कों वाले प्रशिक्षण केंद्र में नाश्ते और खाने की गुणवत्ता को लेकर प्रशिक्षुओं और भोजन बनाने वाले कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया. प्रशिक्षण ले रहे युवाओं का आरोप है कि उन्हें खराब गुणवत्ता वाला नाश्ता और भोजन दिया जा रहा है, जो समय पर भी नहीं मिलता. प्रशिक्षणार्थी राजेंद्र लोधी ने बताया कि योजना के शुभारंभ के बाद से कोई अधिकारी या जनप्रतिनिधि निरीक्षण के लिए नहीं आया. सुबह की शारीरिक कसरत के बाद उन्हें अच्छा नाश्ता नहीं मिलता और खाने की गुणवत्ता भी खराब है. उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने पर खाना बनाने वाले कर्मचारियों ने उनके साथ अभद्रता की. इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है.वहीं, भोजन बनाने वाले कर्मचारियों का कहना है कि प्रशिक्षण ले रहे कुछ लड़कों ने सुबह से ही नाश्ते और खाने को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी थी, जिसके बाद कहासुनी हुई. युवाओं को आजीविका मिशन भवन स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र ढोंगा में ठहराया गया है. उन्होंने नाश्ते और खाने की गुणवत्ता में सुधार की मांग की है.इस मामले में पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी राघव पटसारिया ने बताया कि शासन की ओर से प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए नाश्ते और दोनों समय के भोजन हेतु 110 रुपये का बजट निर्धारित है. उन्होंने दावा किया कि सभी लड़के-लड़कियों को बेहतर नाश्ता और खाना दिया जा रहा है और यदि कोई शिकायत है तो उसका समाधान किया जाएगा.सैन्य बल और अन्य समकक्ष सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है. ढोंगा मैदान के पास स्थित हॉस्टल में करीब 70 लड़कों और 30 लड़कियों को ठहराया गया है. दो दिन पहले ही शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना का शुभारंभ हुआ था. शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने प्रशिक्षण केंद्र में भोजन और नाश्ते की खराब गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई है.

रविवार को ढोंगा मैदान के पास स्थित लड़कों के आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं और भोजन बनाने वाले कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई. मामला इतना बढ़ गया कि प्रशिक्षणार्थियों ने खुले तौर पर अपनी समस्याएं सामने रखीं और व्यवस्था पर सवाल खड़े किए.

निरीक्षण नहीं करने का लगाया आरोप

प्रशिक्षणार्थी राजेंद्र लोधी ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने केंद्र का निरीक्षण नहीं किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि जब प्रशिक्षुओं ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की तो भोजन बनाने वाले कर्मचारियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया. इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रशिक्षु अपनी नाराजगी व्यक्त करते दिखाई दे रहे हैं. विवाद के दौरान कुछ समय के लिए प्रशिक्षण केंद्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया. प्रशिक्षुओं ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल भोजन व्यवस्था में सुधार करे और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए.

मुलताई में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत

मुलताई. नगर सहित आसपास के ग्रामो मे गत रात करीब साढे 9 बजे से पौने 10 बजे के बीच तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए. जिससे मुलताई नगर सहित आसपास के ग्राम पट्टन, नरखेड, अंभोरी, सोमगढ़, चौथिया एवं जनी ग्राम प्रभावित नजर आए.बताया जाता है भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोगों के मकान एवं घरों की खिड़की दरवाजे हिल गए. जिसके कारण लोग भयभीत होकर अपने मकानो से निकाल कर सड़क पर आ गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार 16 मई 2026 को रात्रि 9.31.02 बजे मुलताई मे 3.9 की तीव्रता दर्ज की गई है वहीं भूकंप की गहराई धरती से 10 किलोमीटर बताई गई है. जबकि क्षेत्र में बीते 2 माह के भीतर मुलताई एवं आसपास के क्षेत्र में करीब 3-4 बार इसी प्रकार के झटके महसूस किए जा चुके हैं. जिसे कई लोग प्लेट जोड़ने वालों कंपनी मे किए जा रहे विस्फोट से जोड़कर देख रहे है.जानकारों का कहना है कि मुलताई और पट्टन के बीच में वर्धा नदी के आसपास फैक्ट्री में लगातार भारी मात्रा में ब्लास्टिंग की जा रही है.

अफसरों ने रात्रि चौपाल में सुनीं समस्याएं

नर्मदापुरम. जिले में प्रशासन आपके द्वार रात्रि चौपाल अभियान का शुभारंभ रात में हुआ. पहली चौपाल नर्मदापुरम के चक्कर रोड पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा और एसपी साई कृष्ण एस. थोटा ने लगाई. कलेक्टर-एसपी ने साफ किया कि अब प्रशासन रात में सड़कों, बाजारों और वार्डों में पहुंचकर जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करेगा. अभियान के तहत कानून व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सफाई और अतिक्रमण जैसी व्यवस्थाओं की निगरानी होगी.

फ्रीजर न मिलने पर बर्फ की सिल्लियों पर रखी गई शव देह

कुरवाई, 17 मई. विकास और आधुनिक सुविधाओं के दावों के बीच कुरवाई से एक बेहद संवेदनशील और झकझोर देने वाली तस्वीर सामने आई है. यहां एक गरीब परिवार को अपने परिजन के निधन के बाद शव को सुरक्षित रखने के लिए पूरी रात बर्फ की सिल्लियों का सहारा लेना पड़ा. घटना ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

जानकारी के अनुसार वार्ड क्र. 1 बस स्टैंड निवासी सुरेश कुर्मी पटेल, पिता विश्वनाथ पटेल का 15 मई की रात जिला अस्पताल में निधन हो गया था. अगले दिन परिजन आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद रात करीब 10 बजे शव लेकर कुरवाई पहुंचे. अंतिम संस्कार अगले दिन होना था, इसलिए परिवार ने शव को सुरक्षित रखने के लिए में फ्रीजर बॉक्स की तलाश की, लेकिन उन्हें कहीं भी व्यवस्था नहीं मिल सकी.

आईपीएल सट्टेबाजी जॉकी निकले 2 भाई

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 17 मई, सं. शहर में आईपीएल सट्टे के बड़े नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा पुलिस ने किया हैं. शनिवार देर रात सारंगपुर पुलिस ने शहर में चल रहे ऑनलाइन सट्टे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया.

पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से ऑनलाइन बेटिंग के दर्जनों यूजर नेम, पासवर्ड, लाखों रुपए के लेनदेन और आईपीएल मैचों पर लगाए जा रहे दांव से जुड़े अहम डिजिटल सबूत मिले हैं. कार्रवाई के बाद शहर में हड़कंप मच गया.

थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि पुलिस पिछले एक सप्ताह से इस पूरे नेटवर्क पर गुप्त नजर बनाए हुए थी. पुलिस ने सबसे पहले एक युवक को मुखबिर बनाकर सट्टे की आईडी खरीदने भेजा. मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर रेहान नामक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन उसके पास से कोई ठोस सबूत नहीं मिले.

इसके बाद पुलिस ने संजय राठौर पिता गोकुलप्रसाद राठौर निवासी भ्याना और दीपक भिलाला पिता सौदान सिंह भिलाला निवासी डिगवाड़ को पकड़ा.

खनिज माफिया पर प्रशासन ने कसा शिकंजा

नवभारत न्यूज

इटारसी, 17 मई. जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण करने वाले माफियाओं के खिलाफ कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में प्रशासन ने अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है.

इसी कड़ी में राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इटारसी तहसील के ग्राम केसला में अवैध रूप से भंडारित किया भारी मात्रा में कोयला जब्त किया है. वहीं दूसरी ओर मोहासा और मकोडिया क्षेत्र में अवैध मिट्टी उत्खनन पर भी प्रशासन का डंडा चला है. इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से खनिज माफिया में हड़कंप मच गया है.

प्रशासन को काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि इटारसी के ग्राम केसला में कोयले का अवैध धंधा पैर पसार रहा है.

बिगड़ते हालात कई जगह पर हैडपम्पों ने दे दिया जवाब, आने वाले दिनों में और भी ज्यादा गहराएगा जल संकट

अब रात में भी टैंकरों से पहुंचाया जा रहा पानी

नवभारत न्यूज

विदिशा 17 मई, भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के कारण शहर में पेयजल की मांग तेजी से बढ़ती जा रही है. गर्म हवाओं और तेज धूप के बीच जल संकट की स्थिति को देखते हुए विदिशा नगर पालिका ने जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है. नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े.

नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार शहर के चिन्हित वार्डों और कॉलोनियों में प्रतिदिन लगभग 70 से 80 पानी के टैंकरों के माध्यम से जल वितरण किया जा रहा है. जहां पाइपलाइन से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा है या जलापूर्ति बाधित हो रही है, वहां टैंकरों के जरिए पानी पहुंचाकर व्यवस्था संभाली जा रही है. इसके लिए नगर पालिका के कर्मचारी और जल विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं. गर्मी के कारण कई क्षेत्रों में पानी की खपत सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक बढ़ गई है. ऐसे में नगर पालिका ने अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था कर जलापूर्ति को प्राथमिकता दी है.

कई इलाकों में देर रात तक टैंकरों से पानी पहुंचाने का कार्य जारी रखा जा रहा है, ताकि लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े. नगर पालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 33 की आम वाली कॉलोनी, मिर्जापुर, उदय नगर कॉलोनी और सांवलिया सेठ क्षेत्र में नियमित रूप से टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है.

जल संकट से निपटने की तैयारी तेज

नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में पेयजल संकट से निपटने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं. जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है और टैंकरों की संख्या भी बढ़ाई गई है. अधिकारियों का कहना है कि शहर के किसी भी क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है.

श्मशान घाट की बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल

नागरिकों ने की टीन शेड व हाल निर्माण की मांग

चाचौड़ा, 17 मई. नगर के टेकरी एवं गोया श्मशान घाट की अव्यवस्थित स्थिति को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. भीषण गर्मी और बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को खड़े होने तक की उचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है.

श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों को इधर-उधर खड़ा होना पड़ता है, जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. नगर के मुख्य बाजार चौराहा सहित वार्ड क्रमांक 7, 3, 2 एवं 4 के नागरिकों ने बताया कि श्मशान घाट पर लगा पुराना टीन शेड पूरी तरह टूट चुका है. बरसात के समय यदि एक साथ दो शव पहुंच जाते हैं तो दाह संस्कार के लिए भी पर्याप्त जगह नहीं बचती. ऐसे में परिजनों एवं अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को भारी असुविधा होती है. सोमवार को समाजसेवी एवं रिटायर्ड पटवारी स्वर्गीय भगवान स्वरूप शर्मा के निधन के बाद श्मशान घाट में एकत्रित लोगों के बीच इस समस्या को लेकर गंभीर चर्चा हुई. नागरिकों ने कहा कि जीवन का अंतिम सत्य श्मशान ही है, लेकिन इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है. स्थानीय लोगों ने मांग की है कि श्मशान घाट पर एक बड़ा हाल एवं मजबूत टीन शेड का निर्माण कराया जाए, ताकि धूप और बारिश से बचाव हो सके. साथ ही बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं साफ-सफाई की भी उचित व्यवस्था की जाए. नागरिकों का कहना है कि नगर के जागरूक युवा, समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित लोग आगे आकर जनसहयोग से टेकरी श्मशान घाट एवं गोया श्मशान घाट को व्यवस्थित एवं सुंदर बनाने की पहल करें.